बाबा ने पूरी दुनिया में महिलाओं को बनाया शक्ति स्वरूपा-दादी जानकी

ब्रह्मा बाबा की 44 वीं पुण्य तिथि पर उमड़े हजारों लोगों ने की विश्व शांति की कामना

आबू रोड, 18 जनवरी, निसं। ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन परिसर में देश व दुनिया से आये हजारो लोगों की उपस्थिति में भी माहौल शांति की दुनिया में तब्दील था। संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने अपनी शांति की शक्ति से एक नयी दुनिया बनाने का सपना देखा था वह आज साकार होता दिख रहा है। इस अवसर पर चालिस देशों से आये बीस हजार लोगों ने दुनिया में अमन, चैन, शांति एवं भाईचारे के लिए सामूहिक ध्यान साधना कर संकल्पों को मजबूती दी।

इस अवसर पर शांतिवन के विशाल डायमंड हॉल में उपस्थिति लोगों को सम्बोधित करते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने देश व दुनिया में महिलाओं की स्थिति से उस समय ही वाकिफ हो गये थे जब समाज में महिलाओं के अधिकारों की चर्चा तक नहीं होती थी। बाबा ने माताओं बहनों को आगे रखते हुए परमात्मा के साथ जोड़ा और उन्हें शक्ति स्वरूपा बनाया। आज पूरे विश्व में माताओं बहनों की भारी सेना पूरे संसार में मानवता का बीज बोने का सार्थक प्रयास कर रही है।

महिलायें अबला नहीं बल्कि सबला है यह ब्रह्मा बाबा के शिक्षाओं को जीवन में धारण कर दिखा दिया है। आज यह पहली ऐसी संस्था है जिनका संचालन मातायें बहनें करती है और लोगों के जीवन में बदलाव का महान कार्य कर रही है। बाबा का सपना साकार करने की मुहिम में लगी हुई है।

इस अवसर पर आन्ध्p◌ा प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायधीश इश्वरैय्या ने कहा कि आज माताओं बहनों को समाज में सुरक्षा का अभाव महसूस हो रहा है। परन्तु बाबा ने उन्हें ऐसी शक्ति प्रदान की जो दूसरों को भी वे शक्ति स्वरूप बनाकर नये समाज की स्थापना का इतिहास रच रही है। बाबा ने जो सपना 75 वर्ष पूर्व देखा था वह आज साकार होता दिख रहा है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जैसे बाबा इस दुनिया में रहते अपने आपको उपराम रखा और सम्पूर्ण बनाया वैसे ही हमें भी अपने को ऐसा शक्तिशाली बनाना है जिससे दुनिया का खराब वातावरण हमें प्रभावित नहीं करे और हम समाज बदलाव के मुहिम में आगे बढ़ते रहे।

संस्था के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि बाबा ने हमें अपने साथ रखकर ऐसा श्रेष्ठता का पाठ पढ़ाया जो आज भी हमारे रगों में वैसा ही दौड़ता है। यदि उन शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा जीवन श्रेष्ठ बन जायेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त महासचिव बी. के बृजमोहन, बीके रमेश, सूचना निदेशक बी. के. करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, ग्राम विकास प्रभाग अध्यक्ष बी के मोहिनी, ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. बी. के निर्मला, शांतिवन प्रबन्धक ब्र. कु. भूपाल, लंदन से आयी बीके जयन्ति, अमेरिका, रूस, जापान तथा चाईना सहित कई देशों के लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये तथा श्रद्धांजलि अर्पित की।

शांति की दुनिया में तब्दील हुआ शांतिवन

शांतिवन का परिसर शांति की दुनिया में तब्दील रहा। लोग प्रात काल 4 बजे से ही बाबा की यादों में खोये रहे तथा साईलेन्स की शक्ति से अपने को बाबा में लगाये रखे। माउण्ट आबू में बाबा की समाधि स्थल शान्ति स्तम्भ पर विश्वशान्ति, मानवीय एकता, देश की सुख समृद्वि के लिए दादी जानकी की अध्यक्षता में विश्व के पांचों ही महाद्वीपों से बड़ी संख्या में पहुंचे राजयोगी

बाबा के प्यार में निकली अश्रुधारा- देश और दुनिया के तमाम देशों से आये बाबा के भक्तों को बाबा की यादों में आंखे छलक आयी।

फोटो, 18एबीआरओपी, श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हजारों लोग, सम्बोधित करती राजयोगिनी दादी जानकी तथा अन्य।